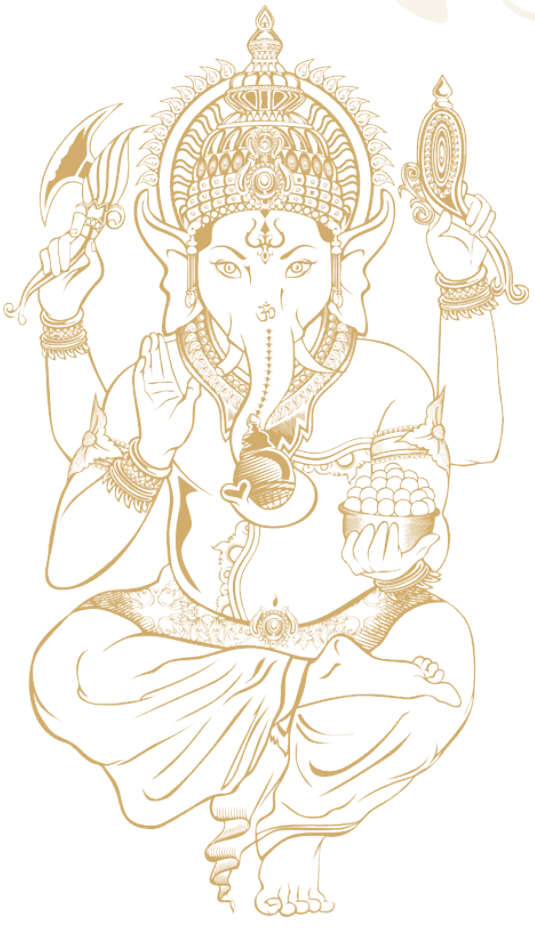

Sahil

Pooja

Model: Love-Horoscope

Order No: 121947001

Model: Love-Horoscope

Order No: 121947001 Date: 16/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/08/1997	जन्म तिथि	07/12/2000
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:40:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 29:30:08	जन्म समय(घटी)	06:04:31 घटी
India	देश	India
Yamunanagar	स्थान	Yamunanagar
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:56	सूर्योदय	07:04:11
18:54:53	सूर्यास्त	17:20:35
23:49:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:55

मकर	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मेष	राशि	मीन
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
अश्विनी	नक्षत्र	रेवती
केतु	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	3
गण्ड	योग	वरियान
तैतिल	करण	वणिज
चू-चूड़ामणि	जन्म नामाक्षर	चा-चांदनी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
अश्व	योनि	गज
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	सिंह

Maa shradha Jyotish Kander
Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 10मा 18दि	13:13:11	मक	लग्न	धनु	24:27:43	बुध 4वर्ष 7मा 0दि
सूर्य	05:36:30	सिंह	सूर्य	वृश्चि	21:29:22	शुक्र
12/07/2023	02:07:29	मेष	चंद्र	मीन	26:24:15	08/07/2012
11/07/2029	11:14:49	तुला	मंगल	कन्या	26:18:52	08/07/2032
सूर्य 29/10/2023	21:22:17	सिंह व	बुध	वृश्चि	11:15:35	शुक्र 08/11/2015
चन्द्र 29/04/2024	21:31:19	मक व	गुरु व	वृष	11:03:40	सूर्य 07/11/2016
मंगल 04/09/2024	11:59:33	कन्या	शुक्र	मक	04:43:48	चन्द्र 09/07/2018
राहु 29/07/2025	26:10:10	मीन व	शनि व	वृष	02:13:42	मंगल 08/09/2019
गुरु 18/05/2026	26:01:03	सिंह	राहु व	मिथु	22:02:39	राहु 08/09/2022
शनि 29/04/2027	26:01:03	कुंभ	केतु व	धनु	22:02:39	गुरु 09/05/2025
बुध 05/03/2028	11:57:43	मक व	हर्ष	मक	23:45:04	शनि 08/07/2028
केतु 11/07/2028	03:55:39	मक व	नेप	मक	10:40:37	बुध 09/05/2031
शुक्र 11/07/2029	09:01:39	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:58:14	केतु 08/07/2032

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:55

लग्न-चलित

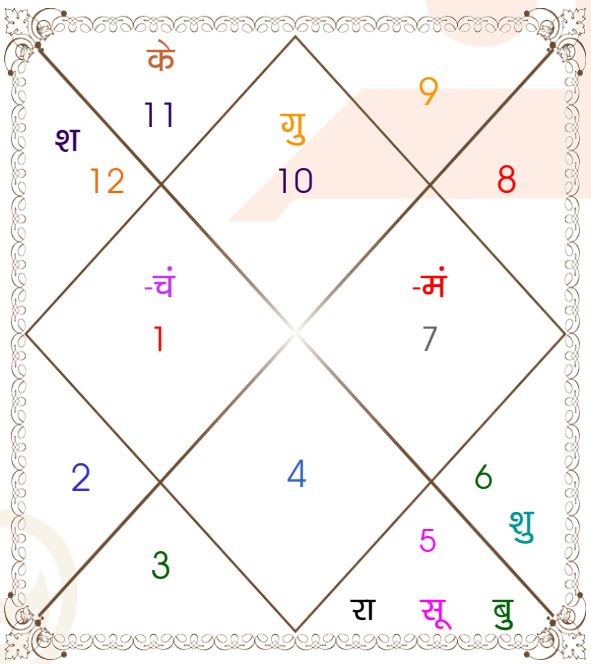

लग्न-चलित

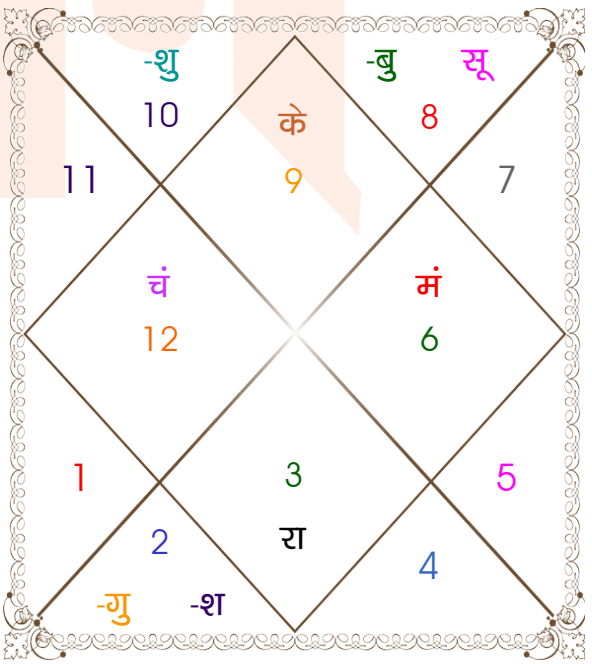

Maa shradha Jyotish Kander
Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

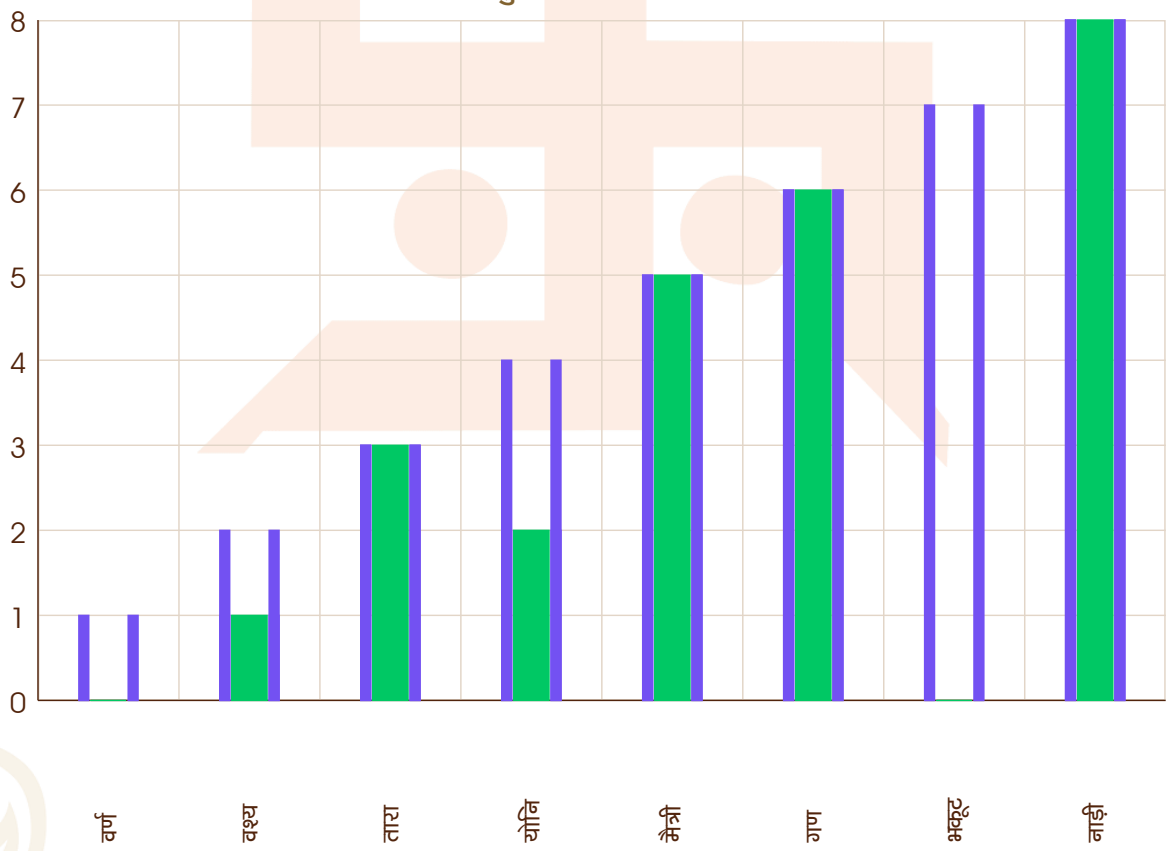

Maa shradha Jyotish Kander
Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli (Yamunanagar)
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

Sahil का वर्ग सिंह है तथा Pooja का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और Pooja का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Pooja मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Sahil तथा Pooja में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Sahil का वर्ण क्षत्रिय तथा Pooja का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Pooja हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Sahil एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

Sahil का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Pooja का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Sahil एवं Pooja दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Sahil एवं Pooja दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Sahil की तारा सम्पत तथा Pooja की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Sahil एवं Pooja दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Pooja एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Sahil की योनि अश्व है तथा Pooja की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम

की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Sahil एवं Pooja दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Sahil एवं Pooja के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Sahil एवं Pooja जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Sahil का गण देव तथा Pooja का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Sahil से Pooja की राशि द्वादश भाव में स्थित है Pooja से Sahil की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Sahil परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Pooja का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Pooja की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Pooja तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Sahil की नाड़ी आद्य है तथा Pooja की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान

नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Sahil की आद्य नाड़ी तथा Pooja की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Sahil की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष है तथा Pooja की जन्म राशि जल तत्व युक्त मीन है। अग्नि एवं जल तत्व का आपस में नैसर्गिक शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है अतः इसके प्रभाव से Sahil और Pooja के मध्य वैचारिक मतभेदों की प्रधानता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन में सुखद वातावरण प्रयत्न एवं आपसी सामंजस्य से ही उत्पन्न होगा।

Sahil और Pooja की राशि स्वामी मंगल एवं बृहस्पति परस्पर मित्र है अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा सामान्य सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। यह स्त्री एवं पुरूष राशि का सुखद संगम होता है। एक दूसरे को समझने तथा सहनशीलता का भाव रख कर आपसी सुख एवं सहयोग में वृद्धि करने में Sahil और Pooja सफल रहेंगे।

Sahil और Pooja की राशि एक दूसरे की जन्म राशि से द्वितीय द्वादश में पड़ती है जो कि भकूट दोष है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा ये मानसिक परेशानियों से कष्ट की अनुभूति कर सकते है साथ ही आर्थिक विषमताओं का भी सामना करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या का भी भाव हो सकता है। अतः यत्न पूर्वक ऐसे भावों की उपेक्षा करनी चाहिए।

Sahil का वश्य चतुष्पद तथा Pooja का वश्य जलचर है। सामान्यतया इनकी अभिरूचियां समान रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अभिवृद्धि होगी तथा एक दूसरे की काम भावनाओं में समानता होने के कारण परस्पर सन्तुष्टि एवं प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे। साथ ही Sahil का Pooja के प्रति पूर्ण आकर्षण बना रहेगा।

Sahil का वर्ण क्षत्रिय है। अतः वह एक साहसी एवं पराक्रमी पुरूष होंगे। Pooja का ब्राहमण वर्ण होने के कारण शिक्षा क्षेत्र में उनकी विशेष रूचि रहेगी तथा धार्मिकता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

धन

Sahil की तारा सम्पत तथा Pooja की तारा अतिमित्र है। ये दोनों ताराएं शुभ मानी जाती हैं। अतः इसके प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं सम्पति को अर्जित करने में समर्थ होंगे। Sahil और Pooja की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल भी आर्थिक स्थिति से इनको सम्पन्न करेगा जिससे भकूट दोष का प्रभाव न्यून होगा तथा उनका जीवन धनऐश्वर्य से सम्पन्न होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा एवं भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में भी वे समर्थ रहेंगे।

भकूट दोष के कारण Sahil की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी लेकिन तारा के

शुभ प्रभाव से इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा धन की भी कमी नहीं आएगी जिससे जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

Sahil की नाड़ी आद्य तथा Pooja की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Sahil और Pooja का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Sahil और Pooja के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Pooja के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Pooja को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Pooja को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Sahil और Pooja सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Sahil और Pooja का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Pooja के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Pooja यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Pooja को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण

स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Pooja को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Sahil तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Sahil के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Sahil को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Sahil के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Sahil के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

Sahil

आपका जन्म प्रभाव से अनुकूल संकेत यह प्राप्त हो रहा है कि आप अपने जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त कर अपने नाम को उजागर करेंगे। क्योंकि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न में उस समय हुआ, जिसमें मेदिनीय क्षितिज पर लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण लग्न के साथ ही उदित हुआ था। मकर राशीय आकृति से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि आप हर दशा में धन संचित कर सुखद आनंददायक पारिवारिक जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपके साथ सुंदर एवं समझदार पत्नी एवं अच्छे पुत्रादि के संयोजन का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

आपके जीवन का अत्यंत अनुकूल समय आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष का समय रहेगा। इस अवधि में आप बहुत सफलता प्राप्त कर, धनी व्यक्ति बन जाएंगे। आप इस अवधि में समय का सदुपयोग कर के आपके लिए पर्याप्त धन एकत्र करने का सुंदर समय रहेगा। इसलिए आप कोई किसी प्रकार के आभाव के प्रति चिंतित न हो। क्योंकि आपके पास इतना धन हो जाएगा कि आपका संपूर्ण जीवन विस्तार पूर्वक व्यतीत होगा।

आप एक उत्तम मेधावी एवं शक्ति संपन्न प्राणी होंगे। आप अपनी सफलता हेतु किसी भी प्रकार के साहसिक कार्य को संपादन करने हेतु सक्षम हैं। आपके लिए व्यवसायों में आपके गुण के अनुसार भूमि से संबंधित कार्य अति अनुकूल होंगे। यथा खनिज, कोयला (खुदाई) खनन का कार्य, कृषि कार्य, तेल एवं पेट्रोल का कार्य, लाभदायक होगा। यदि आप अपनी बुद्धि को असंतुलित कर ले तो अपने स्तर में विकास कर विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं तथा आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति विश्वसनीयता पूर्वक कर सकते हैं। आप सर्वथा गायन कला, गणितीय कार्य एवं ज्योतिषीय कार्य में जिसमें आपकी अभिरूचि हो उसकी कार्य में सफल होंगे।

आप धार्मिक भावना के आस्तिक प्राणी हैं। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आपकी इच्छा धर्म दर्शन की अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण करने की रहेगी एवं पराविद्या के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप उदार प्रवृति के प्राणी हैं। आप किसी भी परिस्थिति में धार्मिक अथवा समाज सेवी संस्था को अनुदान प्रदान करने में कभी भी नहीं हिचकेंगे। यह वास्तविकता है कि आप अपने मन की ऊंची लहर को वृद्धावस्था में पूर्ण कर के समाज में सेवा का कार्य करेंगे।

आपके उत्तम आचरण के कारण आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं मनोहर रहेगा। परंतु कतिपय अतिरिक्त रोगादि का प्रभाव कुछ समय के लिए प्रभावित कर सकता है। आपकी पाचन शक्ति कमजोर है। आपको कफ, सर्दी, जुकाम अथवा शारीरिक चर्म रोगादि भी प्रभावित कर सकता है। आपको इन रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। आपको सर्वदा अपने शारीरिक कार्य-कलाप के प्रति पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। आप आंशिक रूप से शारीरिक जख्म के कारण अधोगामी हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन लाभकारी है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन प्रतिकूल है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक सर्वदा अनुकूल है, परंतु स्पष्ट रूपेण 3 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए पीला एवं क्रीम रंग त्यागनीय है। जबकि रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग अनुकूल एवं साहस प्रदायक है।

Pooja

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुथ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काण का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आप आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सुदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु बृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी के जीवन में भी आ सकती हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आप अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगी यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगी क्योंकि आप एक विशाल हृदय की प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकती हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आप इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगी। तब यह संभाव्य है कि आप शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने के प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगी। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करती हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकती हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए

आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगी। आप बहुत बड़ी विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करती हैं। तथा यह भी मानती हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखती हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगी तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगी।

आप कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकती हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकती हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

अंक ज्योतिष फल

Sahil

आपका जन्म दिनांक 22 है। दो एवं दो के योग से आपका मूलांक 4 होता है। मूलांक चार का स्वामी भारतीय मत से राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल हेाता है। अंक दो का स्वामी चन्द्र है। चन्द्र एवं राहु या हर्षल का प्रभाव आपके जीवन में निरन्तर चलता रहेगा।

मूलांक स्वामी हर्षल या राहु के प्रभाव से आपकी प्रगति यकायक होगी। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कई बार आपको अचानक सफलताएं प्राप्त होंगी। विज्ञान के क्षेत्र में यह सफलता देगा एवं आपका दृष्टिकोण रूढ़वादी न होते हुये वैज्ञानिक रहेगा। जीवन आपका संषर्घशील रहेगा एवं आपकी सोच जमाने से अलग रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। आप रीतियों में परिवर्तन पसन्द करेंगे। धन संग्रह की अपेक्षा नाम, यश आपको अधिक प्राप्त होगा। सामाजिक परिवर्तन के आप हिमायती होंगे एवं सुधारवादी विचारधारा के कारण आप सामाजिक प्रथाओं में परिवर्तन कर अच्छी ख्याति अर्जित करेंगे।

चन्द्र प्रभाव से आप में कल्पनाशीलता अच्छी रहेगी एवं शारीरिक कार्यों की अपेक्षा मानसिक कार्य के क्षेत्र को आप अधिक पसन्द करेंगे। मानसिक कार्यों में आपको अच्छी दक्षता प्राप्त होगी। चन्द्रमा का स्वभाव घटना बढ़ना है। अतः आपके जीवन में भी काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी तो आप एकदम उच्चता का शिखर छू लेंगे और कभी एकदम रसातल की स्थिति को निर्मित करेंगे। आपके कार्य करने के ढ़ंग में जल्दबाजी रहेगी। जिससे कभी-कभी आपको भारी हानि उठानी पड़ेगी।

आपके लिये अच्छा यही रहेगा कि आप अपनी योजनाओं पर धैर्य के साथ विचार करें एवं सोच समझकर प्रारम्भ करें। इसमें थोड़ा विलम्ब अवश्य होगा लेकिन सफलता के अवसर पूरे रहेंगे। जबकि जल्दबाजी में असफलता निहित रहेगी। आपको शीतरोग, रक्तदोष, कभी-कभी परेशान कर सकते हैं।

Pooja

आपका जन्म दिनांक सात होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक सात होता है। अंक सात का अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह को माना गया है। इन ग्रहों के थोड़े-बहुत प्रभाव आपके ऊपर आयेंगे। मूलांक सात के प्रभाववश आपके अन्दर कल्पना शक्ति की मात्रा अधिक रहेगी। काव्य रचना, गीत-संगीत सुनना, दूरदर्शन देखना आपकी अभिरुचि में समाहित रहेगा। ललित कलाओं, लेखन, साहित्य आदि में आपकी रुचि रहेगी। आर्थिक सफलताएं आपको अधिक नहीं मिलेंगी तथा धन संग्रह करना भी आपको मुश्किल लगेगा।

यात्रा, पर्यटन, सैर-सपाटा इत्यादि आपको विशेष अच्छा लगेगा। दूसरों के मन की बात समझने में आप निपुणता हासिल करेंगी एवं सामने वाले को अपनी ओर आकृष्ट करने की

विशेष शक्ति भी आपके अन्दर रहेगी। धर्म के क्षेत्र में आप परिवर्तनशील विचारधारा की रहेंगी एवं पुरानी रूढ़ियों, रीतियों में अधिक रुचि नहीं लेंगी। आपको ऐसे रोजगार-व्यापार पसन्द आयेंगे, जिनमें यात्रायें होती रहती हों तथा दूर-दूर के देशों से सम्पर्क बना रहे।

आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगी जिनमें यात्रा के अवसर अधिक मिलते रहें। अतीन्द्रिय ज्ञान की अधिकतावश जहाँ आप दूसरों के मन की बात को जान जायेंगी वहीं आपको स्वप्न भी अद्भूत प्रकार के आते रहेंगे। आपको विदेशों से, जहाज, मोटर इत्यादि वाहनों से विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

Sahil

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किश्म की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगे। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।

Pooja

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।